www.onlinebu.com

Total No. of Questions : 8 Total No. of Printed Pages : 4

DL-61

LL.M. I[st] Semester Examination, 2016-17

Law & Social Transformation in India

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

Note **:-** Attempt any **four** questions. All question carry equal marks.

1. "सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में विधि के महत्व का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। भारत में भूमि-सुधारों के सन्दर्भ में सुसंगत विधि के प्रावधानों तथा निर्णित वादों का उल्लेख कीजिये।

Critically evaluate the importance of law as an instrument of social change. Cite relevant provisions of law and decided cases with reference to agrarian reforms in India.

2. "भारत एक पंथ निरपेक्ष राज्य है ?" भारतीयों को धार्मिक स्वतंत्रता किस

www.onlinebu.com

सीमा तक प्रधान की गई है। अपने उत्तर के पक्ष में निर्णित वादों का वर्णन कीजिए।

"Indian is a Secular State". Examine fully the limits in which religious freedom is availabe to an individual in India. Support your answer with case laws.

3. "यद्यपि विभिन्न भाषाओं का प्रचलन भारत की बहुभाषीय संस्कृति का परिचालक है, किन्तु इससे राष्ट्रभाषा हिन्दी को वांछित स्थान नहीं मिल पर रहा है।" उपरोक्त विचार के सन्दर्भ में संविधान में उल्लिखित भाषा सम्बन्धी प्रावधानों एवं नीति की समीक्षा कीजिये।

"Although multi-language system is reflective of multi-linguistic culture of India. but the national language Hindi has not been able to get due recognition". In the light of this opinion evaluate the constitutional provisions and policy relating to language.

4. विभेदकारी संरक्षा से आप क्या समझते हैं ? भारतीय संविधान के सुसंगत उपबन्धों के सन्दर्भ में उच्चतम न्यायालय के प्रमुख वादों का हवाला देते हुए विभेदकारी संरक्षा की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

What do you understand by protective Discrimination ? Explain the concept of referring to relevant constitutional provisions and leading Supreme Court Cases.

www.onlinebu.com

www.onlinebu.com

5. यह कहा जाता है कि कट्टार क्षेत्रवाद के अर्थ में यह अवधारणा की सम्पूर्ण भारत एक इकाई है, मात्र एक मूल्य रह जाता है।" संविधान के प्रावधानों के सन्दर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिये।

"It is said that the concept of India as one unit remains more value in the meaning of fundamental regionalism". Discuss the statement in the light of the constitutional provisions.

6. महिला सशक्तिकरण के संबंधित विभिन सांविधानिक एवं अन्य विधिक उपबन्धों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the various constitutional and other legal provisions relating to empowerment of women.

7. "बालश्रम का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है बालश्रम शोषण को न्यूनतमर किया जा सकता है।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए बालश्रम की भारत में स्थिति, विधिक प्रयासों एवं पुनुरुत्थान के लिए स्वैच्छिक संस्थानों के प्रयासों व उनके महत्व पर प्रकाश डालिए।

"Total irradication of child labour is not possible only the exploitation of child labour can be minimised." Keeping in view this statement, throw light upon the position of child labour in India. legislative attempts to protect child

www.onlinebu.com

labour vis-a-vis action plan for voluntary para-legal institutions.

8. "सर्वोदय विधिशास्त्र विधि के विकास के समान है, यह गांधीजी, विनोबा भावे, जय प्रकाश नारायण के विचारों से प्रस्फुरित है", इसने भारतीय समाज को अत्यधिक प्रभावित किया है। समझाइये।

"The Jurisprudence of Sarvadaya is a alternative approach to the law, it refletion from the through of Gandhiji, Vinoba Bhave, Jayprakash Narayan". It deeply affect the Indian Society. Explain.

+++

Copies 200

www.onlinebu.com